चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	15-9-26	4	3-4

एचएयू का रबी कृषि मेला 1 अक्टूबर से, सीएम आएंगे

कृषि प्रोडेक्ट्स से जुड़ी कंपनियां हिस्सा लेंगी

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में रबी कृषि मेले का आयोजन एक और दो अक्टूबर को होगा। मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे। इस बार आयोजन का विषय सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधन सुरक्षा रखा गया है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज के अनुसार किसानों को वैज्ञानिकों से इन विषयों पर तकनीकी जानकारी मिलेगी और बीज, उर्वरक, कीटनाशक तथा कृषि यंत्रों से जुड़ी कंपनियां भी भाग लेंगी, जहां मशीनों की कार्यप्रणाली, उपयोग और कीमत की जानकारी दी जाएगी। ले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि मेला गेट नंबर-3 के सामने मेला ग्राउंड में लगेगा और सरकारी बीज एजेंसियों के काउंटर भी होंगे। अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें दिखाई जाएगी। सह निदेशक डॉ. कृष्ण यादव के मुताबिक स्टॉल बुकिंग शुरू हो गई है और किसानों के लिए वाटर प्रूफ पंडाल की व्यवस्था रहेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	15-9-26	9	2-3

हकृवि का कृषि मेला रबी 1 व 2 को, सीएम सैनी होंगे मुख्यातिथि

सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधन सुरक्षा पर रहेगा मेले का फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला रबी का आयोजन एक व दो अक्टूबर को किया जाएगा। मेले में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। इस बार मेले का विषय सतत कपास उत्पादन-फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा रखा गया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कपास उत्पादन की आधुनिक तकनीकों, फसल विविधीकरण और जल संसाधनों के संरक्षण के बारे में जानकारी देंगे। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनरी और उपकरण बनाने वाली कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयोगी मशीनों की कार्यप्रणाली, कीमत और निर्माताओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश किए गए रबी फसलों के उन्नत बीज, जैव उर्वरक और कृषि साहित्य भी किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर-3 के सामने मेला ग्राउंड में लगेगा। किसानों के लिए विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलों का प्रदर्शन कर उनमें अपनाई गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15-9-26	4	3

हकृवि में कृषि मेला 1 व 2 अक्तूबर को, मुख्यमंत्री नायब सैनी होंगे मुख्य अतिथि

हिसार, 14 सितम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला (रबी)का आयोजन एक व दो अक्तूबर को किया जाएगा। कृषि मेले का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। मेले का विषय सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा रखा गया है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें दिखाई जाएगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल, रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा प्रदान की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	15-9-26	5	3

हकृवि में कृषि मेला (रबी) 1 व 2 अक्तूबर को

हिसार, 14 सितम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला (रबी)का आयोजन एक व दो अक्तूबर को किया जाएगा। कृषि मेले का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। मेले का विषय सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा रखा गया है। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सतत कपास उत्पादन-फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ-साथ इन मशीनों की कीमत तथा उनके निर्माताओं की भी जानकारी प्रदान की जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15-9.26	3	7-8

एचएयू में कृषि मेला एक अक्तूबर से, मुख्यमंत्री सैनी करेंगे शुभारंभ

माई सिटी रिपोर्टर

सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधन सुरक्षा की दी जाएगी जानकारी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कृषि मेला (रबी) एक और दो अक्तूबर को आयोजित किया जाएगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि मेले का शुभारंभ करेंगे।

इस वर्ष मेले का विषय 'सतत कपास उत्पादन-फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा' रखा गया है। दो दिवसीय मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से अनुशंसित रबी फसलों के उन्नत बीज, बायोफर्टिलाइजर और कृषि साहित्य उपलब्ध करवाया जाएगा।

एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों को सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधन सुरक्षा से जुड़ीं तकनीकों की विस्तृत जानकारी देंगे।

मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक तथा कृषि मशीनरी एवं यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयोगी मशीनों और यंत्रों की कार्यप्रणाली, कीमत तथा निर्माताओं की जानकारी दी जाएगी। सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि मेला एचएयू के गेट नंबर-3 के सामने मेला ग्राउंड में लगेगा। यहां विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म में वैज्ञानिकों की ओर से उगाई गईं फसलों का प्रदर्शन किया जाएगा और उनमें अपनाई गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी।

कृषि, पशुपालन और गृह विज्ञान संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं होंगी। किसानों को मिट्टी, सिंचाई जल और रोगग्रस्त पौधों की वैज्ञानिक जांच की सुविधा भी मिलेगी। दोनों दिन फसल प्रतियोगिता आयोजित होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा मेल	15.9.26	7	5

हकृवि में कृषि मेला 1-2 अक्टूबर को, मुख्यमंत्री सैनी होंगे मुख्य अतिथि

हरियाणा मेल ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) में कृषि मेला (रबी) का आयोजन 1 और 2 अक्टूबर को किया जाएगा। मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। इस बार मेले का विषय 'सतत कपास उत्पादन-फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा' रखा गया है।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सतत कपास उत्पादन, फसल विविधीकरण और जल संसाधन सुरक्षा से जुड़ी तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनरी और यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयोगी मशीनों और यंत्रों की कार्यप्रणाली, कीमत तथा निर्माताओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

मेले में विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश किए गए रबी फसलों के उन्नत बीज, बायोफर्टिलाइजर और कृषि साहित्य भी किसानों को उपलब्ध कराया जाएगा। विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलों का प्रदर्शन किया जाएगा और उनमें अपनाई गई तकनीकों की जानकारी दी जाएगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. नरेश कौशिक ने बताया कि मेला हकृवि के गेट नंबर-3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। किसानों की कृषि, पशुपालन और गृह विज्ञान संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं होंगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	15.09.26	-----	----

हकृवि में कृषि मेला (रबी) 1 व 2 अक्टूबर को, मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी होंगे मुख्य अतिथि

मेले का विषय सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा' होगा

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 15 सितम्बर : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला (रबी)का आयोजन एक व दो अक्टूबर को किया जाएगा। कृषि मेले का शुभारंभ प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। मेले का विषय सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा रखा गया है।

यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सतत कपास उत्पादन- फसल विविधीकरण एवं जल संसाधन सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी। विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ-साथ इन मशीनों की कीमत तथा उनके निर्माताओं की भी जानकारी प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य भी उपलब्ध करवाए जाएंगे।

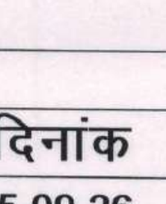

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ नरेश कौशिक ने बताया कि पूर्व की भांति इस वर्ष भी यह मेला चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के गेट नंबर-3 के सामने मेला ग्राउंड में लगाया जाएगा। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें दिखाई जायेगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीकों की जानकारी भी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों को कृषि, पशुपालन तथा गृह विज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल, रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके साथ-साथ दोनों दिन मेले में फसल प्रतियोगिता भी आयोजित होगी।

सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग शुरू की जा चुकी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं। किसानों की सुविधा के लिए उनके बैठने हेतु वाटर प्रूफ पंडाल होगा। उन्होनें बताया कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल कृषि मेला आयोजित करता है जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारो किसान भाग लेते हैं। इस मेले में एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी भी लगाई जाती है जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, लुवास तथा हरियाणा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त विभिन्न कृषि निविष्टों तथा फार्म मशीनरी बनाने वाली कंपनियां भी भाग लेकर अपनी तकनीकी प्रदर्शित करती हैं।